

प्रेषक,

दीपक कुमार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र(यू-सर्क),

देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग:

देहरादून: दिनांक: 23 नवम्बर, 2016

विषय: उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना मद (आयोजनागत पक्ष) में चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु धनराशि स्वीकृत करने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-यू-सर्क/बजट/सचि0/1185 दिनांक 02.11.2016 के क्रम में अनुदान संख्या-23 के अन्तर्गत 09-उत्तराखण्ड विज्ञान एवं शिक्षण अनुसंधान केन्द्र की स्थापना, मतदेय-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत रू0 39.34 लाख (रू0 उन्नतालिस लाख चौतिस हजार मात्र) निम्नमदानुसार आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	मद का नाम	धनराशि (हजार रू० में)
1	2	3
क) यू-सर्क की विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों एवं कार्यक्रमों हेतु।		
1.	राज्य में प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा का प्रसार।	97.00
2.	यू-सर्क द्वारा पूर्व में स्थापित गणितिय विज्ञान का उत्कृष्ट केन्द्र का संचालन तथा गणित ओलम्पियाड।	73.00
3.	यू-सर्क के अन्तर्गत देश के लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के व्याख्यानों का आयोजन करना।	48.00
4.	विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्बन्धी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु।	48.00
5.	यू-सर्क द्वारा स्थापित जलवायु परिवर्तन केन्द्र का संचालन तथा विज्ञान गणित ओलम्पियाड का आयोजन।	73.00
6.	यू-सर्क परिसर में बेसिक साइंस हेतु बहुउपयोगी प्रयोगशाला की स्थापना।	194.00
7.	वर्कशॉप ऑन साइंस ऑफ सरवाइवल नामक कार्यक्रम का आयोजन (95 ब्लॉक्स)	97.00
8.	उत्तराखण्ड आधारित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं का आयोजन।	97.00
9.	विभिन्न विज्ञान सम्मत दिवसों पर विज्ञान शिक्षा के प्रसार हेतु आयोजन।	48.00
10.	ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सेन्टर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।	48.00
11.	मेंटरशिप कार्यक्रम का आयोजन।	97.00
12.	उत्तराखण्ड ज्ञान विज्ञान कोष पोर्टल का निर्माण।	48.00
13.	आगामी शैक्षिक वर्ष में विभिन्न लघु एवं दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु पाठ्यक्रमों का निर्माण।	97.00
14.	यू-सर्क R&D गतिविधियों हेतु।	97.00
15.	Avlew कार्यक्रम के द्वारा विज्ञान शिक्षा का प्रचार प्रसार।	73.00
16.	विभिन्न शिक्षा तकनीकियों का निर्माण।	97.00
17.	भाषा में सन्निहित विज्ञान (जौनसारी, कुमाउंजी गढवाली)	48.00
18.	सचल विज्ञान प्रयोगशाला वाहन।	73.00
19.	अध्यापक विज्ञान कॉन्फेरेन्स का आयोजन।	97.00



20	प्रभाव परक विज्ञान शिक्षा तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उन्नयन।	48.00
21	प्रौद्योगिकी एवं नवाचार कार्यक्रम।	48.00
22	विज्ञान प्रयोगात्मक किट।	97.00
ख) निदेशन एवं प्रशासन पर व्यय-		2191.00
		-
योग		3934.00

1. उक्त धनराशि का व्यय करते समय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/xxvii(1)/201 दिनांक 26.07.2016 में निहित प्रावधानों एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यय किये जाने से पूर्व वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की व्यय प्रस्ताव पर अनुमोदन प्राप्त किये जाने के उपरान्त, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं संशोधित अधिप्राप्ति नियमावली में निहित प्रावधानों, व्यवस्थाओं एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाय। मितव्ययता के सम्बन्ध में निर्गत संगत शासनादेशों एवं नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. संस्था द्वारा यदि किसी योजना/योजनाओं में धनराशि पी0एल0ए0 खाते में जमा की गई है तो सर्वप्रथम उक्त धनराशि को आहरित कर व्यय सुनिश्चित किया जाय, तदोपरान्त ही अवमुक्त की जा रही धनराशि का नियमानुसार उपयोग किया जाय। संस्था को अवमुक्त की जा रही उक्त धनराशि निर्धारित मदों में ही नियमानुसार व्यय की जाय। किसी मद में धनराशि परिवर्तन का अधिकार संस्था को नहीं होगा, यदि किसी मद में धनराशि परिवर्तित/स्थानान्तरण किये जाने की आवश्यकता हो, तो इस संबंध में सक्षम प्राधिकारी/शासन का अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त ही धनराशि व्यय की जाय।
3. सम्बन्धित मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जाय तथा न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जाय। यदि ऐसा प्रकरण संज्ञान में आता है तो उक्त कृत्य को वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में माना जायेगा जिसके लिए सम्बन्धित संस्थाध्यक्ष उत्तरदायी होंगे।
4. उक्त व्यय किये जाने से पूर्व जिन कार्यों/मदों/योजना में धनराशि नियमानुसार व्यय की जानी हो उन कार्यों/मदों/योजना में कार्य की अवधि, नियोजित कार्मिक, कार्य की अनुमानित लागत, औचित्य, कुल एवं चालू वित्तीय वर्ष में कार्य के कुल लक्ष्य इत्यादि के निर्धारण उपरान्त इस सम्बन्ध में सक्षम स्तर से कार्य/योजना के सम्बन्ध में अनुमोदन प्राप्त किये जाने उपरान्त ही कार्य/योजना में व्यय सुनिश्चित किया जाय।
5. वचनबद्ध मदों तथा वेतन, मंहगाई भत्ता इत्यादि में व्यय स्वीकृत ढांचे के अनुसार नियमानुसार नियुक्त कार्मिकों के सापेक्ष ही किया जाय। यदि संस्था के अन्तर्गत स्वीकृत ढांचे के अतिरिक्त, कार्मिक किसी भी माध्यम से योजित हों अथवा नियोजित किये जाने की आवश्यकता हो तो उन कार्मिकों के सम्बन्ध में विभिन्न भारत व्ययों का भुगतान संस्था की स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष ही वहन किया जाय। उक्त का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. बी0एम0-8 पर सम्बन्धित मदवार विवरण सहित संकलित मासिक सूचनायें प्रत्येक माह की 07 तारीख तक नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। माह में किये गये कार्यों का प्रमाण-पत्र/विवरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा किये गये कार्यों एवं वार्षिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और महालेखाकार से समय-समय पर आंकड़ों का मिलान सुनिश्चित किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार से आहरित किये जाय, तथा प्राप्त धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2017 तक करते हुए प्रत्येक माह का बी0एम0-13 शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 23 के अन्तर्गत

लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004 अनुसंधान तथा विकास-09 उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षण अनुसंधान केन्द्र की स्थापना-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक-अलोटमेन्ट आई0डी0।

भवदीय

(दीपक कुमार)  
सचिव।

संख्या: 550/XXXVIII / (यू-सर्क बजट)15-23/2011 तददिनांकित  
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

15. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
16. जिलाधिकारी देहरादून।
17. अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
18. अपर सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
19. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- ✓ 20. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।
21. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पोल सिंह)  
संयुक्त सचिव।